

पाठ 6: कैफ़ी आजमी (कर चले हम फ़िदा)

कैफ़ी आजमी: जीवन परिचय

भूमिका

उर्दू साहित्य में कुछ नाम ऐसे हैं जिनकी पहचान सिर्फ़ एक कवि या शायर के रूप में नहीं, बल्कि समाज और इंसानियत के पैरोकार के रूप में होती है। कैफ़ी आजमी ऐसे ही शायरों में से एक थे। उनकी कविताएँ न सिर्फ़ प्रेम, संवेदना और सौंदर्य को व्यक्त करती हैं, बल्कि समाज में व्याप्त अन्याय, भेदभाव और शोषण के खिलाफ़ आवाज़ भी बुलंद करती हैं। कैफ़ी आजमी की शख्सियत और साहित्य ने उर्दू अदब को एक नया आयाम दिया।

जीवन परिचय

पूरा नाम: सैयद अतहर हुसैन रिज़वी

जन्म: 19 जनवरी 1919, मजमां गाँव, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

मृत्यु: 10 मई 2002, मुंबई, महाराष्ट्र

कैफ़ी आजमी का जन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के एक धार्मिक परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम सैयद अतहर हुसैन रिज़वी था, लेकिन अदबी दुनिया में वे 'कैफ़ी आजमी' के नाम से मशहूर हुए। बचपन से ही वे धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे थे और उन्हें इस्लामी मंदरसे में भेजा गया, जहाँ उन्होंने फारसी और अरबी की शिक्षा प्राप्त की।

उनका रुझान बहुत कम उम्र से ही कविता और शायरी की ओर था। मात्र 11 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी पहली गज़ल लिखी थी और 1943 में वे प्रगतिशील लेखक संघ से जुड़ गए। यहीं से उनके जीवन में साहित्य और समाज का संगम आरंभ हुआ।

पारिवारिक पृष्ठभूमि

कैफ़ी आजमी का परिवार कलात्मक अभिरुचियों वाला था। उनके तीन बड़े भाई भी शायर थे। उनकी पत्नी शौकत आजमी एक प्रसिद्ध रंगमंच और फ़िल्म अभिनेत्री थीं। उनकी बेटी शबाना आजमी भारत की जानी-मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्यिक परिचय

कैफ़ी आजमी उर्दू साहित्य के प्रगतिशील आंदोलन के प्रतिनिधि शायर थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में बदलाव लाने की कोशिश की। उनकी कविता में न केवल प्रेम और सौंदर्य की छाया मिलती है, बल्कि समाज की पीड़ा, गरीबी, वर्ग-संघर्ष और श्रमिकों की दशा की झलक भी दिखाई देती है।

उनकी शायरी में भावना और विचार का गहरा संतुलन है। वे फ़ारसी और उर्दू के पारंपरिक शब्दों का प्रयोग करते हुए भी आधुनिक संदर्भों को उजागर करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहमयी और प्रभावशाली है।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

प्रमुख काव्य संग्रह

कैफ़ी आज़मी के पाँच प्रमुख काव्य संग्रह हैं, जो आज भी उर्दू साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं:

1. झंकार (1943) – यह उनका पहला काव्य संग्रह था, जिसमें सामाजिक चेतना और नवजागरण की झलक थी। इसमें उनके युवा शायर के रूप में तेवर स्पष्ट दिखते हैं।
2. आखिर-ए-शब (1971) – इस संग्रह में कैफ़ी आज़मी की शायरी का परिपक्व रूप देखने को मिलता है। यहाँ उनकी भाषा अधिक मर्मस्पर्शी और चिंतनशील हो जाती है।
3. आवारा सजदे – इसमें उनके विचार और भावनाओं की तीव्रता है। यह संग्रह उनका बेहद सराहा गया संकलन है।
4. सरमाया – इसमें उनकी चयनित कविताएँ और गज़लें संग्रहीत हैं, जिनमें सामाजिक संघर्ष और मानवीय पीड़ा के स्वर हैं।
5. मेरी आवाज़ सुनो – यह उनके फ़िल्मी गीतों का संग्रह है, जो दर्शाता है कि कैसे एक साहित्यकार फ़िल्मों में भी उत्कृष्ट योगदान दे सकता है।

फ़िल्मों में योगदान

कैफ़ी आज़मी ने फ़िल्मों के लिए कई यादगार गीत और संवाद लिखे। उनका फ़िल्मी लेखन भी साहित्यिक गुणवत्ता से भरपूर था। उन्होंने जिस भावनात्मकता और गहराई से गीत रचे, उसने फ़िल्मी संगीत को नई ऊँचाइयाँ दीं।

प्रमुख फ़िल्मी योगदान:

- गर्म हवा (1973): इसके संवाद और पटकथा कैफ़ी आज़मी ने लिखे। यह फ़िल्म भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर आधारित है और भारतीय सिनेमा की एक मील का पत्थर मानी जाती है।
- हकीकत (1964): इसके गीतों ने भारतीय सैनिकों की भावनाओं को जीवंत कर दिया। "कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों..." आज भी देशभक्ति का प्रतीक गीत है।
- हीर रांझा (1970): इस पूरी फ़िल्म का संवाद शायरी में है, जिसे कैफ़ी आज़मी ने लिखा।

सामाजिक और राजनीतिक विचार

कैफ़ी आज़मी की कविता सामाजिक क्रांति की वाहक थी। उन्होंने महिलाओं की समानता, गरीबी, जातिवाद, मजदूरों के अधिकार और अन्य सामाजिक मुद्दों को अपनी कविता का हिस्सा बनाया। वे जन आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे और आम जनता की आवाज़ बनते थे।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

उनकी कविता में स्पष्ट सामाजिक दृष्टिकोण मिलता है, जो उन्हें एक यथार्थवादी कवि के रूप में स्थापित करता है। वे केवल भावुकता नहीं, बल्कि बौद्धिक दृष्टिकोण के साथ विचार रखते थे।

भाषा और शैली

कैफ़ी आज़मी की भाषा अत्यंत सरल, प्रवाहपूर्ण और संप्रेषणीय है। उनकी शायरी में क्लिष्टता नहीं, बल्कि गहराई है। वे आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी कविताएँ आम जन तक सीधे पहुँचती हैं।

उनकी शैली में:

- प्रेम की कोमलता
- क्रांति की ज्वाला
- दर्शन की गहराई
- समाज के यथार्थ की अभिव्यक्ति

इन सबका सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

सम्मान और पुरस्कार

कैफ़ी आज़मी को उनके अद्वितीय साहित्यिक योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया:

- साहित्य अकादमी पुरस्कार (आखिर-ए-शब के लिए)
- पद्मश्री (1974)
- उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी पुरस्कार
- नेहरू साहित्य सम्मान
- सोवियत लैंड नेहरू अवार्ड

ये पुरस्कार न केवल उनके साहित्य की महत्ता को दर्शाते हैं, बल्कि समाज में उनकी भूमिका को भी स्वीकार करते हैं।

व्यक्तिगत जीवन और विरासत

कैफ़ी आज़मी का जीवन केवल कविता तक सीमित नहीं था। वे एक कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने अपने गाँव मिज़वां में कई सामाजिक योजनाएँ चलाईं। उन्होंने वहाँ लड़कियों के लिए स्कूल खोला, सड़कों का निर्माण करवाया और शिक्षा को बढ़ावा दिया।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

उनकी बेटी शबाना आज़मी ने 'मिज़वां वेलफ़ेयर सोसायटी' के ज़रिए इस कार्य को आगे बढ़ाया। आज यह संस्था ग्रामीण महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार के क्षेत्र में काम कर रही है।

निधन और श्रद्धांजलि

10 मई 2002 को कैफ़ी आज़मी का मुंबई में निधन हो गया। उनके निधन पर साहित्य, सिनेमा और समाज ने एक सजग रचनाकार, एक संवेदनशील शायर और एक ज़िम्मेदार नागरिक को खो दिया।

उनकी अंतिम यात्रा में साहित्य और फ़िल्मी दुनिया के तमाम बड़े नाम शामिल हुए और सबने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

कुछ प्रसिद्ध पंक्तियाँ

"औरत ने जनम दिया मर्दों को, मर्दों ने उसे बाजार दिया..."

इस कविता में उन्होंने स्त्री की स्थिति पर तीव्र चोट की है।

"कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों..."

यह पंक्ति भारतीय देशभक्ति गीतों में अमर है।

"मैं ढूँढता हूँ जिसे वो जहाँ नहीं मिलता, नई ज़मीं नया आसमाँ नहीं मिलता..."

इसमें वे आत्मीय खोज की व्यथा प्रकट करते हैं।

निष्कर्ष

कैफ़ी आज़मी केवल एक कवि नहीं थे, वे एक सोच, एक आंदोलन और एक परिवर्तन की प्रेरणा थे। उन्होंने उर्दू कविता को सिर्फ़ सौंदर्य नहीं, बल्कि चेतना दी। उनके शब्दों में वह शक्ति थी जो सत्ता से सवाल कर सकती थी और मनुष्य के हृदय तक पहुँच सकती थी।

उनकी शायरी आने वाली पीढ़ियों के लिए न केवल साहित्यिक धरोहर है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा भी है। उन्होंने शब्दों से जो मशाल जलाई, वह आज भी रोशनी फैला रही है।

अंततः कहा जा सकता है कि कैफ़ी आज़मी जैसे शायर सदियों में एक बार जन्म लेते हैं, जिनकी शायरी समय की सीमाओं को लांघते हुए चिरस्थायी हो जाती है।

प्रश्न – अभ्यास:

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1. क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

उत्तर 1- (1) इस गीत का ऐतिहासिक संदर्भ फिल्म 'हकीकत' से जुड़ा हुआ है। यह गीत विशेष रूप से हकीकत फिल्म के लिए लिखा गया था, जो भारतीय इतिहास पर आधारित है। फिल्म की कहानी इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं को उजागर करती है।

(2) हकीकत फिल्म की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सन् 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध से संबंधित है। यह फिल्म उस युद्ध की वीरता और बलिदान को चित्रित करती है। फिल्म में उन देशभक्त सैनिकों की आवाज़ है, जो अपने कर्तव्यों पर गर्व महसूस करते हैं और भारतीय जनता को बलिदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रश्न 2. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तर 2:

(i) हिमालय का प्रतीक - हिमालय को भारत माता के माथे पर बँधे मुकुट की तरह देखा जाता है। इसे भारत का माथा माना गया है, और कवि भारत के माथे को कभी न झुकने देने की बात करता है।

(ii) भारत के गौरव का प्रतीक - हिमालय भारत की महानता और गरिमा का प्रतीक है। यह उन वीर सैनिकों की आवाज़ भी है, जो देश की गरिमा की रक्षा के लिए हमेशा अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने अपने प्राणों की बलि दी, लेकिन भारत माता की गरिमा को किसी भी प्रकार से क्षति नहीं पहुँचने दी।

प्रश्न 3. इस गीत में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है?

उत्तर 3: (i) दुलहन - दुलहन उस महिला को कहा जाता है जो नव विवाहिता हो। वह सुंदर आभूषणों और परिधान से सुसज्जित होती है, और उसका पूरा रूप नयनाभिराम होता है। उसकी सुंदरता और सजा-धज देखकर हर कोई प्रसन्न होता है।

(ii) धरती को दुलहन - यहाँ धरती से तात्पर्य भारत भूमि से है। सैनिकों का कहना है कि हमारी भारत भूमि हमेशा दुलहन की तरह सजी-संवली और सुंदर होनी चाहिए। यह भूमि हरी-भरी और उपजाऊ हो, यहाँ के सभी वनस्पति और फसलें प्रचुर मात्रा में हों, और अन्न तथा धन की कोई कमी न हो। इस तरह, हर व्यक्ति इस धरती को देखकर प्रसन्न हो।

प्रश्न 4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?

उत्तर 4: (i) जीवन - कवि के अनुसार जीवन और मरण दोनों ही निश्चित हैं। जीवन में जो अवसर बार-बार मिलते हैं, वे अधिक महत्वपूर्ण नहीं होते क्योंकि वे बार-बार आते रहते हैं। परंतु जो अवसर कभी-कभी मिलते हैं, वे ही हमारे दिलो-दिमाग में हमेशा के लिए बस जाते हैं और हम उन्हें जीवनभर याद रखते हैं।

(ii) मरण - मरण के अवसर बार-बार नहीं आते। यह तो एक बार ही आता है, लेकिन जब यह किसी महान उद्देश्य, जैसे देश या परहित के लिए होता है, तो उसे सभी लोग हमेशा याद रखते हैं। वीर अपने देश के लिए बलिदान दे देते हैं, और उनका यह अद्वितीय योगदान लोगों के दिलों में हमेशा के लिए अंकित हो जाता है।

प्रश्न 5. कवि ने 'साथियों' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

उत्तर 5:

(i) कवि ने 'साथियों' शब्द का उपयोग देशवासियों के लिए किया है। यह संबोधन उन सैनिकों द्वारा है, जो देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं। वे गर्व महसूस करते हैं क्योंकि वे अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं और देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर रहे हैं।

(ii) देश के सैनिक अपने साथी देशवासियों को 'साथियों' कहकर संबोधित कर रहे हैं। उनके लिए देश के हर नागरिक एक साथी है। जो व्यक्ति मृत्यु तक एक-दूसरे का साथ निभाता है, वही सच्चा साथी होता है। सैनिक उन देशवासियों को भी 'साथियों' कह रहे हैं, जो उनके समान देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हैं।

प्रश्न 6. कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

उत्तर 6:

(i) सैनिकों का कथन - कवि के अनुसार, सैनिकों का मानना है कि देश के लिए बलिदान की परंपरा कभी समाप्त नहीं होनी चाहिए। इसके लिए नए बलिदानी जत्थे हमेशा तैयार होते रहने चाहिए।

(ii) काफ़िले - इस कविता में काफ़िले से तात्पर्य उन बलिदानी जत्थों से है जो अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हैं। इसका संदेश यह है कि हमने अपने प्राणों की कुर्बानी देश के लिए दी है, और अब आगे बढ़ने के लिए नया काफ़िला तैयार होना चाहिए।

प्रश्न 7. इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है?

उत्तर 7: (i) कफ़न बाँधना - कफ़न वह वस्त्र है, जिसमें मृत शरीर को लपेटकर अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाता है। 'सर पर कफ़न बाँधना' का मतलब है मृत्यु के लिए तैयार होना।

(ii) कवि का संदेश - इस कविता में कवि उन वीर सैनिकों को संबोधित कर रहे हैं, जो अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार हैं। यह आह्वान उन बहादुर लोगों के लिए है, जो देश की सेवा में अपने प्राणों की बलि देने के लिए समर्पित हैं। यही 'सर पर कफ़न बाँधना' का असली अर्थ है।

प्रश्न 8. इस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर 8:

(i) कविता का प्रतिपाद्य - इस कविता में वीर सैनिकों की भावनाओं का चित्रण किया गया है, जो देश के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं। उन्हें इस पर गर्व है कि उन्होंने अपने जीवन का सर्वोत्तम भाग देश की रक्षा में समर्पित कर दिया, लेकिन देश के सम्मान को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचने दी।

(ii) कवि का आह्वान - कवि अपने शब्दों के माध्यम से देशवासियों को यह प्रेरणा देता है कि वे हमेशा देश की रक्षा के लिए तैयार रहें। किसी भी शत्रु को हमारे देश की ओर बढ़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, और अगर कोई शत्रु ऐसा करता है, तो उसे कठोरता से जवाब दिया जाना चाहिए।

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

1. साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया

उत्तर 1: यह वाक्य जीवन में आने वाली कठिनाइयों और संघर्षों को दर्शाता है। यहाँ "साँस थमती गई" और "नब्ज़ जमती गई" से यह संकेत मिलता है कि व्यक्ति का शरीर थकने और कमजोर होने के बावजूद लगातार संघर्ष कर रहा है। फिर भी, "बढ़ते कदम को न रुकने दिया" का मतलब है कि व्यक्ति ने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहा, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों।

2. खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर इस तरफ़ आने पाए न रावण कोई

उत्तर 2: यह वाक्य अपने आत्मविश्वास और बलिदान को व्यक्त करता है। यहाँ "खूँ से ज़मीं पर लकीर" का अर्थ है, अपने खून और संघर्ष से एक ऐसी सीमा खींच देना कि कोई भी बुरा या अन्यायपूर्ण शक्ति, जैसे रावण, उस सीमा को पार न कर सके। यह किसी भी चुनौती के सामने खड़े होने और उसे रोकने के लिए तैयार रहने का प्रतीक है।

3. छू न पाए सीता का दामन कोई राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों

उत्तर 3: यह वाक्य मर्यादा, सम्मान, और रक्षा की भावना को प्रकट करता है। यहाँ "सीता का दामन" से तात्पर्य है कि कोई भी व्यक्ति या शक्ति सीता (एक आदर्श महिला) की मर्यादा को न तो भंग कर सके और न ही छू सके। "राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो" का मतलब है कि राम और लक्ष्मण जैसे आदर्श और शक्तिशाली नायक भी किसी को सीता की सुरक्षा में साथ देने और उसका सम्मान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह समर्पण और आदर्श संबंधों की भावना को व्यक्त करता है।

भाषा अध्ययन

1. इस गीत में कुछ विशिष्ट प्रयोग हुए हैं। गीत के संदर्भ में उनका आशय स्पष्ट करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

कट गए सर, नब्ज़ जमती गई, जान देने की रूत, हाथ उठने लगे

उत्तर 1: यह गीत कुछ विशेष रूपकों का उपयोग करता है। इस संदर्भ में उनके अर्थ को समझाते हुए उन्हें अपने शब्दों में व्यक्त किया जा सकता है:

1. कट गए सर - यह पंक्ति युद्ध में देश की रक्षा करते हुए सैनिकों के बलिदान को दर्शाती है, जब उनकी जान चली जाती है और सिर काटे जाते हैं।
2. नब्ज़ जमती गई - जब वीर सैनिकों के प्राण निकलने लगते हैं, तब उनके शरीर की नब्ज़ भी धीरे-धीरे रुकने लगती है, यह दर्द और संघर्ष की स्थिति को दर्शाता है।
3. जान देने की रूत - यह उस समय की बात है जब किसी सैनिक के लिए अपने देश की रक्षा के लिए जान देना एक सम्मानजनक कर्तव्य बन जाता है। ऐसा अवसर बार-बार नहीं मिलता, इसलिए इसे एक विशेष "रूत" या समय कहा गया है।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

4. हाथ उठने लगे - यह पंक्ति सैनिकों के समर्पण और वीरता को व्यक्त करती है, जिसमें यह कहा गया है कि यदि दुश्मन ने देश के खिलाफ आक्रामकता दिखाई तो उसे रोकने के लिए हाथों को उठाकर विरोध करना चाहिए।

इस प्रकार, इन विशिष्ट प्रयोगों के माध्यम से गीत की गहरी भावनाओं और संदेशों को समझा जा सकता है।

2. ध्यान दीजिए संबोधन में बहुवचन 'शब्द रूप' पर अनुस्वार का प्रयोग नहीं होता; जैसे- भाइयो, बहिनो, देवियो, सज्जनो आदि ।

उत्तर 2: हिंदी में संबोधन के बहुवचन रूप में अनुस्वार (ं) का प्रयोग नहीं होता। उदाहरण के लिए:

- भाइयों (सही रूप: भाइयो)
- बहनों (सही रूप: बहिनो)
- देवियों (सही रूप: देवियो)
- सज्जनों (सही रूप: सज्जनो)

यह नियम इसलिए है क्योंकि हिंदी में जब संबोधन या बहुवचन में कोई शब्द किसी विशेष सम्मान या स्नेह के साथ इस्तेमाल होता है, तो उस समय अनुस्वार का प्रयोग नहीं किया जाता।

योग्यता विस्तार

1. कैफ़ी आज़मी उर्दू भाषा के एक प्रसिद्ध कवि और शायर थे। ये पहले गज़ल लिखते थे। बाद में फ़िल्मों में गीतकार और कहानीकार के रूप में लिखने लगे। निर्माता चेतन आनंद की फ़िल्म 'हकीकत' के लिए इन्होंने यह गीत लिखा था, जिसे बहुत प्रसिद्धि मिली। यदि संभव हो सके तो यह फ़िल्म देखिए ।

उत्तर 1: कैफ़ी आज़मी उर्दू साहित्य के एक महान शायर और कवि थे। उनका योगदान उर्दू गज़ल और कविता के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। उनके लिखे हुए गीत और गज़लें आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई हैं। फ़िल्मों में उनका योगदान भी उल्लेखनीय रहा, और उनके द्वारा लिखे गए गीतों को बहुत सराहा गया।

फ़िल्म *हकीकत* (1964) के लिए लिखा गया उनका गीत "कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों" आज भी भारतीय सिनेमा का एक यादगार गीत माना जाता है। यह गीत भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान को समर्पित था और उस समय बहुत लोकप्रिय हुआ।

यदि आपको उर्दू कविता, गज़ल और भारतीय सिनेमा का एक बेहतरीन संगम देखना है, तो *हकीकत* फ़िल्म देखना निश्चित ही एक अच्छा अनुभव होगा।

2. 'फ़िल्म का समाज पर प्रभाव' विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए।

उत्तर 2: विषय: 'फ़िल्म का समाज पर प्रभाव'

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

परिचर्चा का उद्देश्य: इस परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि फ़िल्में समाज पर किस प्रकार का प्रभाव डालती हैं, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक। फ़िल्मों का समाज, संस्कृति, सोच और व्यवहार पर गहरा असर होता है, और इस प्रभाव को हम विभिन्न दृष्टिकोणों से देख सकते हैं।

परिचर्चा की रूपरेखा:

1. फ़िल्म और समाज की परिभाषा:

- फ़िल्म का क्या अर्थ है और समाज क्या होता है?
- फ़िल्म एक कला रूप है, और समाज एक विस्तृत समूह है जिसमें विभिन्न वर्ग, जातियाँ और संस्कृतियाँ होती हैं।

2. सकारात्मक प्रभाव:

- शिक्षा और जागरूकता: फ़िल्में समाज को नई जानकारी और दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। जैसे कि सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में जागरूकता फैलाती हैं (जैसे बाल विवाह, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण)।
- संस्कृति का प्रसार: फ़िल्में विभिन्न संस्कृतियों, रीति-रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करती हैं, जिससे समाज के विभिन्न हिस्सों में समझ और सहिष्णुता बढ़ती है।
- प्रेरणा और मनोरंजन: फ़िल्में समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करती हैं। बहुत से लोग फ़िल्मों से प्रेरित होकर समाज के लिए कुछ अच्छा करने का संकल्प लेते हैं।

3. नकारात्मक प्रभाव:

- स्टीरियोटाइप और भेदभाव: कुछ फ़िल्में समाज में भेदभाव और असमानता को बढ़ावा देती हैं, जैसे कि जातिवाद, लिंग भेदभाव, और सांस्कृतिक भिन्नताओं को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करना।
- असामाजिक व्यवहार: कुछ फ़िल्में हिंसा, नशा, और अपराध को आदर्श रूप में प्रस्तुत करती हैं, जो समाज में इन गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती हैं।
- शारीरिक और मानसिक दबाव: फ़िल्मों में दिखाए गए आदर्श शारीरिक रूप और जीवन शैली के कारण समाज में शारीरिक सुंदरता और उपयुक्तता के लिए दबाव बढ़ सकता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

4. फ़िल्मों का बदलता प्रभाव:

- पिछले कुछ दशकों में, फ़िल्मों ने समाज के विभिन्न पहलुओं को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाया है। अब फ़िल्में अधिक सामाजिक मुद्दों को उठाने लगी हैं और संवेदनशील मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

- इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते प्रभाव से फिल्मों का समाज पर असर और भी अधिक व्यापक हो गया है।

5. समाज में फिल्मों के योगदान:

- फिल्में किसी भी समाज की पहचान का हिस्सा होती हैं। वे मनोरंजन, शिक्षा, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक अहम साधन बन चुकी हैं।
- फिल्म उद्योग में सामाजिक बदलावों को दिखाने और प्रेरित करने की ताकत होती है, जैसे कि भारत में 'सत्यमेव जयते' जैसी फिल्मों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलायी।

निष्कर्ष: फिल्में समाज पर गहरे प्रभाव डालती हैं। वे समाज के आदर्शों को प्रभावित करती हैं, लोगों की सोच को आकार देती हैं और कई बार नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकती हैं। समाज को फिल्मों से होने वाले प्रभाव को समझकर और जिम्मेदारी के साथ उसका सेवन करना चाहिए। फिल्म निर्माता भी अपनी जिम्मेदारी समझकर समाज को जागरूक करने वाली सामग्री प्रस्तुत करें।

सुझाव:

- फिल्मों को सशक्त और सकारात्मक तरीके से बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।
- युवा पीढ़ी को सही फिल्मों के चयन में मार्गदर्शन करना आवश्यक है।
- फिल्मों में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी की भावना जागृत की जानी चाहिए।

इस तरह की चर्चा से विद्यार्थियों को फिल्मों के समाज पर प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी और वे इसे अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी के दृष्टिकोण से देख पाएंगे।

3. कैफ़ी आज़मी की अन्य रचनाओं को पुस्तकालय से प्राप्त कर पढ़िए और कक्षा में सुनाइए। इसके साथ ही उर्दू भाषा के अन्य कवियों की रचनाओं को भी पढ़िए ।

उत्तर 3- कैफ़ी आज़मी एक महान उर्दू शायर और लेखक थे, जिनकी रचनाएँ सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर गहरी सोच और संवेदनशीलता की ओर इशारा करती हैं। यदि आप उनकी अन्य रचनाओं के बारे में जानना चाहते हैं, तो कुछ प्रमुख काव्य-रचनाएँ निम्नलिखित हैं:

1. "आवारा" - यह उनका एक प्रसिद्ध कविता संग्रह है, जिसमें उन्होंने समाज की असमानताओं और अव्यवस्थाओं के बारे में लिखा है।
2. "नए दौर का सपना" - इसमें उन्होंने नये समाज की कल्पना की है, जिसमें समानता और न्याय हो।
3. "कभी कभी" - यह उनका एक अन्य प्रसिद्ध कविता संग्रह है, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत भावनाओं और प्रेम को व्यक्त किया है।
4. "मौसम" - इसमें उन्होंने मनुष्य की जटिलताओं और संवेदनाओं का चित्रण किया है।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

इसके साथ ही, उर्दू भाषा के अन्य कवियों की रचनाओं को भी पढ़ना फायदेमंद हो सकता है। कुछ प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ निम्नलिखित हैं:

1. मीर तकी मीर - उनके काव्य में दर्द और शायराना नज़रिए का गहरा प्रभाव होता है।
 - प्रसिद्ध रचनाएँ: "बाज़ीचा-ए-अत्फ़ाल है दुनिया मीर"
2. ग़ालिब - उनकी शायरी में जीवन के दुःख, विषाद और रहस्यवाद का सुंदर संयोजन है।
 - प्रसिद्ध रचनाएँ: "हज़ारों ख्वाहिशें ऐसी"
3. इकबाल - उर्दू और फ़ारसी के महान शायर, जिन्होंने राष्ट्रवाद और आत्मनिर्भरता के विषय में लिखा।
 - प्रसिद्ध रचनाएँ: "सितारे ज़मीन से उठते हैं"

इन रचनाओं को पुस्तकालय से प्राप्त कर पढ़ने और कक्षा में प्रस्तुत करने से आपको उर्दू शायरी का एक व्यापक दृष्टिकोण मिलेगा।

4. एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा कैफ़ी आज़मी पर बनाई गई फिल्म देखने का प्रयास कीजिए!

उत्तर 4- छात्र स्वयं करें।

यह एक बेहतरीन सुझाव है! कैफ़ी आज़मी एक प्रसिद्ध उर्दू शायर और लेखक थे, जिनका योगदान भारतीय साहित्य और फिल्म इंडस्ट्री में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। एन.सी.ई.आर.टी. (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) द्वारा बनाई गई फिल्म, उनके जीवन और कार्यों को उजागर करने का एक अद्भुत तरीका हो सकती है। यह फिल्म उनकी शायरी, उनके संघर्ष, और उनके समाजिक योगदान को दर्शा सकती है, जिससे छात्रों और अन्य दर्शकों को उनकी जीवन यात्रा से प्रेरणा मिल सकती है।

यदि आप इस फिल्म को देखना चाहते हैं, तो आप एन.सी.ई.आर.टी. की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित शैक्षिक संसाधनों पर देख सकते हैं, जहाँ से इसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

परियोजना कार्य

1. सैनिक जीवन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एक निबंध लिखिए।

उत्तर 1: सैनिक जीवन की चुनौतियाँ

सैनिक जीवन, साहस, बलिदान और संघर्ष से परिपूर्ण होता है। एक सैनिक का जीवन न केवल अपने देश की रक्षा करना है, बल्कि यह भी एक निरंतर संघर्ष है, जिसमें न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक ताकत की भी

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

आवश्यकता होती है। सैनिक को विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शारीरिक, मानसिक, और सामाजिक चुनौतियाँ शामिल हैं।

शारीरिक चुनौतियाँ:

सैनिकों को शारीरिक रूप से सशक्त और मजबूत बनाना आवश्यक है, क्योंकि उन्हें कठिन परिस्थितियों में काम करना होता है। ऊँचे पहाड़ों, दलदली भूमि और रेगिस्तानी इलाकों में तैनात रहते हुए, वे अत्यधिक ठंड, गर्मी, वर्षा और ऊबड़-खाबड़ रास्तों का सामना करते हैं। इन स्थितियों में सैनिकों को लंबे समय तक कठोर परिस्थितियों में रहना पड़ता है। इनके लिए शारीरिक रूप से फिट रहना अत्यधिक आवश्यक है ताकि वे अपने कर्तव्यों को सही तरीके से निभा सकें।

मानसिक चुनौतियाँ:

सैनिक जीवन में मानसिक दबाव भी बहुत अधिक होता है। युद्ध के मैदान में होने वाली खतरनाक स्थितियों, अपने साथियों की मौत, और देश की रक्षा करते हुए अपने परिवार से दूर रहने की भावनाएँ सैनिक के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकती हैं। उन्हें हर समय सतर्क रहना होता है, जिससे मानसिक थकान और तनाव बढ़ जाता है। इसके अलावा, बहुत से सैनिक युद्ध के बाद मानसिक आघात (PTSD) का सामना करते हैं, जो उनका जीवन प्रभावित करता है।

सामाजिक चुनौतियाँ:

सैनिकों को अपने परिवार से दूर रहकर देश की सेवा करनी पड़ती है, जिससे पारिवारिक जीवन पर भी असर पड़ता है। लंबी तैनाती और बार-बार स्थानांतरण के कारण उनके बच्चों की शिक्षा, परिवार की देखभाल और घर के अन्य कार्यों में मुश्किलें आती हैं। इसके अलावा, युद्ध के बाद सैनिकों का समाज में पुनः समायोजन भी एक कठिन प्रक्रिया होती है, क्योंकि वे मानसिक रूप से थक चुके होते हैं और समाज की सामान्य जिंदगी में सामंजस्य स्थापित करना कठिन हो सकता है।

प्राकृतिक चुनौतियाँ:

सैनिकों को अक्सर प्राकृतिक आपदाओं जैसे बर्फबारी, भूस्खलन, बाढ़, और तूफानों का सामना करना पड़ता है। इन प्राकृतिक आपदाओं के दौरान उन्हें अपनी जान की सलाहमती के लिए संघर्ष करना होता है, साथ ही अपने मिशन को भी पूरा करना होता है। इस प्रकार की परिस्थितियाँ उनकी जीवनशैली और मानसिक स्थिति को और भी कठिन बना देती हैं।

निष्कर्ष:

सैनिक जीवन एक बहुत ही कठिन और चुनौतीपूर्ण जीवन है। शारीरिक, मानसिक और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद, सैनिक अपने देश की रक्षा में निरंतर जुटे रहते हैं। उनकी निष्ठा, साहस और बलिदान को कभी भी कम नहीं आंका जा सकता। हमें उनका सम्मान करना चाहिए और उनके संघर्षों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। सैनिकों का जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है, और हमें उनकी चुनौतियों को समझकर उनकी मदद करनी चाहिए।

2. आजाद होने के बाद सबसे मुश्किल काम है 'आजादी बनाए रखना'। इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

उत्तर 2: "आजाद होने के बाद सबसे मुश्किल काम है 'आज़ादी बनाए रखना'" यह वाक्य बहुत गहरे अर्थ को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि उसे बनाए रखा जाए, क्योंकि स्वतंत्रता सिर्फ एक शुरुआत होती है, जिसे सही दिशा में चलकर संरक्षित किया जा सकता है।

विचार करने योग्य पहलू:

1. संविधान और कानून: आज़ादी को बनाए रखने के लिए एक मजबूत संविधान और कानून व्यवस्था की आवश्यकता होती है। जब तक देश में न्याय का समान वितरण नहीं होता और कानून की सर्वोच्चता नहीं होती, तब तक स्वतंत्रता खतरे में पड़ सकती है।
2. सामाजिक एकता और भाईचारे का महत्व: स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक अधिकारों से नहीं होता, बल्कि समाज में एकता, समरसता और भाईचारे का होना भी आवश्यक है। अगर समाज में जातिवाद, धर्मवाद या क्षेत्रवाद बढ़ता है, तो आज़ादी के उद्देश्य को खतरा हो सकता है।
3. आर्थिक स्वतंत्रता: एक राष्ट्र तभी पूरी तरह से स्वतंत्र हो सकता है जब उसका आर्थिक ढांचा मजबूत हो। आर्थिक निर्भरता से मुक्ति, रोजगार के अवसर, और समृद्धि आज़ादी को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।
4. विदेशी प्रभाव: विदेशों से होने वाली दखलअंदाजी या आर्थिक दबाव भी आज़ादी को प्रभावित कर सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी नीति का संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि देश अपनी स्वतंत्रता को बचा सके।
5. राजनीतिक स्थिरता: राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार स्वतंत्रता को खतरे में डाल सकते हैं। एक सशक्त और ईमानदार सरकार का होना आज़ादी को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

निष्कर्ष: आज़ादी की प्राप्ति कठिन होती है, लेकिन इसे बनाए रखना उससे भी कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। इसके लिए हर नागरिक का योगदान आवश्यक है, और यह केवल एक सरकार या विशेष वर्ग की जिम्मेदारी नहीं होती। हमें सामूहिक रूप से स्वतंत्रता के मूल्यों को समझते हुए उन्हें सुरक्षित रखने की दिशा में काम करना होगा।

3. अपने स्कूल के किसी समारोह पर यह गीत या अन्य कोई देशभक्तिपूर्ण गीत गाकर सुनाइए ।

उत्तर 3: आपके स्कूल के समारोह में देशभक्तिपूर्ण गीत गाने के लिए आप निम्नलिखित गीत गा सकते हैं:

1. "सारे जहाँ से अच्छा" – यह गीत रवींद्रनाथ ठाकुर (रवींद्रनाथ ठाकुर) द्वारा लिखा गया है और भारत की एकता और विविधता को बढ़ावा देता है।
2. "वन्दे मातरम्" – बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत भारतीय राष्ट्रीयता और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक है।
3. "भारत का रहने वाला हूँ" – यह गीत हिंदी सिनेमा का प्रसिद्ध देशभक्ति गीत है, जो भारतीय संस्कृति और एकता को उजागर करता है।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

इन गीतों में से कोई भी आप गा सकते हैं, जो आपके समारोह के माहौल को उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक बनाए।

पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम फ़िदा) पर आधारित अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर, भावार्थ

कैफ़ी आज़मी की कविता (कर चले हम फ़िदा) का भावार्थ

कविता: कर चले हम फ़िदा

(लेखक: कैफ़ी आज़मी, फिल्म 'हकीकत' का प्रसिद्ध गीत)

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई,
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया।
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं,
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया।
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

जीने के मौसम बहुत हैं मगर,
जान देने की रत रोज़ आती नहीं।
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे,
वो जवानी जो खून में नहाती नहीं।
आज धरती बनी है दुल्हन साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

राह कुर्बानियों की न वीरान हो,
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले।
फतह का जश्न इस जश्न के बाद है,
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले।
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

खींच दो अपने खून से ज़मी पर लकीर,
इस तरफ़ आने पाए न रावण कोई।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे,
छू न पाए सीता का दामन कोई।
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

💡 भावार्थ (सरल भाषा में)

कैफ़ी आज़मी की यह कविता भारतीय सैनिकों की वीरता, देशभक्ति और बलिदान की भावना को गहराई से व्यक्त करती है। इसमें उन वीरों की आवाज़ है जिन्होंने अपने देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया।

इस कविता में शहीद सैनिक कहते हैं कि उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को सुरक्षित रखा है और अब वे इस जिम्मेदारी को आने वाली पीढ़ियों को सौंपते हैं। चाहे उनकी साँसे थम गईं, नब्ज बंद हो गई, लेकिन उनके कदम कभी रुके नहीं। उन्होंने हिमालय जैसे ऊँचे आदर्शों को झुकने नहीं दिया।

कविता यह भी कहती है कि जीने के अवसर तो कई होते हैं, लेकिन देश के लिए जान देने का मौका बार-बार नहीं आता। जो युवा अपने लहू से मिट्टी को सींचता नहीं, उसकी जवानी व्यर्थ है। आज देश की धरती एक दुल्हन की तरह सजी है, और उसकी रक्षा हर देशवासी का कर्तव्य है।

शहीदों की कुर्बानी की राह कभी सूनी न हो, उसमें नए-नए काफ़िले (युवा) जुड़ते रहें। यह भी कहा गया है कि युद्ध की जीत का जश्न बाद में मनाना है, पहले मौत को गले लगाना पड़ेगा।

अंत में, देश की सीमा को रामायण के प्रतीकों के माध्यम से समझाया गया है—खून की लकीर खींच दो ताकि कोई रावण उस पार न आ सके, और अगर कोई सीता (देश) के सम्मान को छूने की कोशिश करे, तो उसका हाथ तोड़ दो। सैनिक न केवल राम हैं, बल्कि लक्ष्मण भी हैं—जो मर्यादा और सुरक्षा के प्रतीक हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1: कैफ़ी आज़मी का जन्म कहाँ हुआ था और उन्होंने किस प्रकार की कविता लिखी?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का जन्म 19 जनवरी 1919 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ ज़िले के मजमां गाँव में हुआ। वे प्रगतिशील विचारधारा से जुड़े उर्दू कवि थे। उनकी कविताओं में सामाजिक न्याय, समानता और राजनीतिक चेतना के साथ-साथ मानवीय संवेदनाएँ भी झलकती हैं। उन्होंने मुशायरों में अपनी पहचान बनाई और फ़िल्मों में भी कई प्रसिद्ध गीत लिखे।

प्रश्न 2: कैफ़ी आज़मी के गीत "कर चले हम फ़िदा" का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी द्वारा लिखित "कर चले हम फ़िदा" गीत में सैनिकों की राष्ट्रभक्ति और बलिदान का भाव प्रमुख है। यह गीत न केवल देश की सेवा में शहीद होने वाले सैनिकों की भावनाओं को दर्शाता है, बल्कि

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

देशवासियों को यह जिम्मेदारी भी सौंपता है कि वे देश की रक्षा और समृद्धि का दायित्व उठाएँ। यह गीत भावनात्मक और प्रेरणादायक दोनों है।

प्रश्न 3: कैफ़ी आज़मी के साहित्यिक योगदान की विशेषताएँ क्या थीं?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रगतिशील विचारों को अभिव्यक्त किया। वे सामाजिक न्याय, समानता, शांति और इंसानियत के पक्षधर थे। उनकी शायरी में विद्रोह, करुणा और प्रेम का अद्भुत संगम है। 'झंकार', 'आवारा सजदे', 'सरमाया' जैसे संग्रहों में उनकी भावनाएँ और सोच स्पष्ट झलकती हैं। उन्होंने फ़िल्मों में भी भावनात्मक गीतों के माध्यम से योगदान दिया।

प्रश्न 4: कैफ़ी आज़मी का पारिवारिक पृष्ठभूमि और उसका उनके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी एक साहित्यिक और सांस्कृतिक परिवेश से आते थे। उनके तीनों भाई शायर थे, और पत्नी शौकत आज़मी व बेटे शबाना आज़मी अभिनय जगत से जुड़ी थीं। यह वातावरण उन्हें साहित्य और कला की ओर प्रेरित करता रहा। पारिवारिक माहौल में संस्कार, साहित्य और संवेदना का समावेश उनके व्यक्तित्व और रचनाओं में गहराई से दिखाई देता है।

प्रश्न 5: कैफ़ी आज़मी ने अपने साहित्य के माध्यम से समाज को क्या संदेश दिया?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का साहित्य सामाजिक अन्याय के विरोध और इंसानी हक की वकालत करता है। उन्होंने शोषण, गरीबी, युद्ध और अमानवीयता के विरुद्ध आवाज़ उठाई। वे कविता को केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि बदलाव का औजार मानते थे। उनका लेखन सामाजिक चेतना को जाग्रत करता है और नई पीढ़ी को एक बेहतर समाज की ओर प्रेरित करता है।

प्रश्न 6: गीत "कर चले हम फ़िदा" में कैफ़ी आज़मी ने सैनिकों की कौन-कौन सी भावनाएँ प्रकट की हैं?

उत्तर: इस गीत में कैफ़ी आज़मी ने सैनिकों के आत्मबलिदान, गर्व, साहस और देश के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त किया है। वे बताते हैं कि सैनिक जान देकर भी मातृभूमि की रक्षा करता है और अपने बाद देश को नागरिकों के हवाले करता है। यह गीत शौर्य, कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल है।

प्रश्न 7: कैफ़ी आज़मी के गीतों की भाषा शैली को कैसे परिभाषित किया जा सकता है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी की भाषा शैली भावपूर्ण, सहज और सशक्त है। वे उर्दू शायरी की नज़ाकत को सामाजिक संदेश के साथ जोड़ते हैं। उनके गीतों में बिंब, प्रतीक और रूपकों का प्रभावशाली प्रयोग होता है। "कर चले हम फ़िदा" जैसे गीतों में गहरी भावनाएँ साधारण शब्दों में बहुत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की गई हैं।

प्रश्न 8: कैफ़ी आज़मी की कविताओं में राजनीतिक चेतना किस रूप में दिखाई देती है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी की कविताओं में राजनीतिक चेतना विद्रोह और न्याय की माँग के रूप में प्रकट होती है। वे पूँजीवाद, साम्राज्यवाद और समाज में व्याप्त असमानता के विरुद्ध खुलकर लिखते हैं। वे कविता के माध्यम से जागरूकता फैलाते हैं और जनता से एकजुट होकर अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की अपील करते हैं।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आजमी (कर चले हम)

प्रश्न 9: कैफ़ी आजमी को किन साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया?

उत्तर: कैफ़ी आजमी को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्मश्री, और फिल्मफेयर अवार्ड सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाज़ा गया। उनका लेखन न केवल साहित्यिक मानकों पर खरा उतरा, बल्कि समाज को दिशा देने वाला भी सिद्ध हुआ। उनके गीतों और कविताओं ने साहित्यिक और सिनेमा जगत दोनों में अमिट छाप छोड़ी।

प्रश्न 10: कैफ़ी आजमी की कविता 'कर चले हम फ़िदा' का वर्तमान समय में क्या महत्व है?

उत्तर: 'कर चले हम फ़िदा' आज भी युवाओं को देशभक्ति और ज़िम्मेदारी की भावना से भर देता है। जब देश के सामने कोई संकट होता है, तो यह गीत उत्साह और जोश का स्रोत बन जाता है। कैफ़ी आजमी की यह रचना नई पीढ़ी को यह याद दिलाती है कि आज़ादी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है।

प्रश्न 11: कैफ़ी आजमी की रचनाएँ आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में कितनी प्रासंगिक हैं?

उत्तर: कैफ़ी आजमी की रचनाएँ आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी उनके समय में थीं। समाज में व्याप्त असमानता, युद्ध, शोषण और सामाजिक विभाजन जैसे मुद्दे आज भी मौजूद हैं। उनकी कविताएँ इंसानियत, शांति और समानता की ओर प्रेरित करती हैं। वे पाठकों को सोचने और परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रश्न 12: कैफ़ी आजमी के प्रमुख कविता संग्रह कौन-कौन से हैं?

उत्तर: कैफ़ी आजमी के प्रमुख कविता संग्रहों में 'झंकार', 'आखिर-ए-शब', 'आवारा सजदे', 'सरमाया' और फ़िल्मी गीतों का संग्रह 'मेरी आवारा सुनो' शामिल हैं। इन संग्रहों में सामाजिक मुद्दों, क्रांति, प्रेम, पीड़ा और उम्मीद का सुंदर संयोजन देखने को मिलता है। इन कृतियों ने उन्हें प्रगतिशील साहित्य का मजबूत स्तंभ बना दिया।

प्रश्न 13: कैफ़ी आजमी की लेखनी में मानवतावाद किस प्रकार अभिव्यक्त होता है?

उत्तर: कैफ़ी आजमी की लेखनी मानवीय संवेदनाओं से भरपूर है। वे जाति, धर्म, वर्ग के भेद को नकारते हुए सभी मनुष्यों को समान मानते हैं। उनकी रचनाओं में दीन-दुखियों के प्रति सहानुभूति, प्रेम और करुणा झलकती है। उनके साहित्य में इंसानियत सर्वोपरि है, और वे अपने शब्दों के माध्यम से सामाजिक एकता का संदेश देते हैं।

प्रश्न 14: कैफ़ी आजमी की लेखनी में प्रेम और संघर्ष का क्या संबंध है?

उत्तर: कैफ़ी आजमी के लिए प्रेम केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक और क्रांतिकारी भी है। वे प्रेम को संघर्ष का माध्यम मानते हैं, जो समाज में बदलाव ला सकता है। उनकी रचनाओं में प्रेम, शोषण के विरुद्ध एक ताकत बनकर उभरता है। 'आवारा सजदे' जैसी रचनाएँ इस विचार को सुंदर ढंग से व्यक्त करती हैं।

प्रश्न 15: कैफ़ी आजमी ने फ़िल्मों में किस प्रकार का योगदान दिया?

उत्तर: कैफ़ी आजमी ने फ़िल्मों में गीत लेखन के माध्यम से साहित्यिक गुणवत्ता और संवेदना को जन-जन तक पहुँचाया। 'हकीकत', 'गर्म हवा', 'हीर-रांझा' जैसी फ़िल्मों के गीतों में उनकी शायरी की गहराई और समाज के प्रति

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

प्रतिबद्धता दिखाई देती है। उनकी फ़िल्मी रचनाएँ सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को सोचने की प्रेरणा भी देती हैं।

प्रश्न 16: कैफ़ी आज़मी का जीवन संघर्ष से कैसे जुड़ा रहा?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का जीवन आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने कम उम्र में ही शायरी शुरू की और मजदूरों, किसानों की आवाज़ बने। वे कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े और विचारों के लिए कठिनाइयाँ भी झेली। फिर भी उन्होंने अपने लेखन और विचारों से कभी समझौता नहीं किया, यही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

प्रश्न 17: कैफ़ी आज़मी ने युवाओं के लिए क्या संदेश छोड़ा?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी ने युवाओं को अपने देश, समाज और मानवता के लिए समर्पित होने का संदेश दिया। वे मानते थे कि युवाओं को न केवल अपने अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, बल्कि समाज में बदलाव लाने की भी ज़िम्मेदारी उठानी चाहिए। उनकी कविताएँ युवाओं में विचार, जोश और ज़िम्मेदारी की भावना उत्पन्न करती हैं।

प्रश्न 18: कैफ़ी आज़मी की कविताओं में भारतीय संस्कृति की झलक किस रूप में मिलती है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी की कविताओं में भारतीय संस्कृति का सौंदर्य और मूल्य बारीकी से रचे-बसे मिलते हैं। वे राम, लक्ष्मण, सीता जैसे प्रतीकों का प्रयोग करते हैं, जैसे कि 'कर चले हम फ़िदा' में रावण को अन्याय का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत करते हैं। उनकी रचनाओं में भारतीय परंपराएँ आधुनिक सोच के साथ जुड़ी हुई दिखती हैं।

प्रश्न 19: कैफ़ी आज़मी के साहित्य में स्त्री की भूमिका किस प्रकार चित्रित की गई है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी स्त्रियों को समान अधिकार और सम्मान का स्थान देते हैं। उनके लेखन में स्त्रियाँ केवल प्रेमिका नहीं, बल्कि समाज का सक्रिय और सशक्त पक्ष हैं। वे स्त्री को स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के साथ देखने की वकालत करते हैं। उनकी रचनाओं में नारी शक्ति और संवेदना का अद्भुत संगम मिलता है।

प्रश्न 20: कैफ़ी आज़मी की रचनाएँ आने वाली पीढ़ियों के लिए क्यों आवश्यक हैं?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी की रचनाएँ नई पीढ़ियों को इंसानियत, समानता, स्वतंत्रता और देशप्रेम के मूल्यों से जोड़ती हैं। उनका साहित्य केवल अतीत की गाथा नहीं, बल्कि वर्तमान का मार्गदर्शन और भविष्य की प्रेरणा है। वे युवाओं को सृजनात्मक सोच और सामाजिक ज़िम्मेदारी से जोड़ते हैं। उनकी लेखनी एक जीवंत धरोहर है।

लघु उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1: कैफ़ी आज़मी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का जन्म 19 जनवरी 1919 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के मजमाँ गाँव में हुआ था। वे उर्दू कविता और प्रगतिशील आंदोलन के प्रमुख स्तंभों में से एक थे।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

प्रश्न 2: कैफ़ी आज़मी को किस प्रकार के काव्य के लिए जाना जाता है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी को सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय सरोकारों से जुड़ी प्रगतिशील उर्दू कविताओं के लिए जाना जाता है। उनकी रचनाओं में संवेदनशीलता और संघर्ष की गूँज मिलती है।

प्रश्न 3: 'कर चले हम फ़िदा' गीत किस फिल्म के लिए लिखा गया था?

उत्तर: 'कर चले हम फ़िदा' गीत कैफ़ी आज़मी ने 1964 की फिल्म 'हकीकत' के लिए लिखा था। यह गीत शहीद सैनिकों के जज़्बे और बलिदान को सलाम करता है।

प्रश्न 4: कैफ़ी आज़मी के कविता संग्रहों में कौन-कौन से प्रमुख हैं?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी के प्रमुख कविता संग्रहों में झंकार, आखिर-ए-शब, आवारा सजदे, सरमाया, और फ़िल्मी गीतों का संग्रह मेरी आवाज़ सुनो शामिल हैं।

प्रश्न 5: 'कर चले हम फ़िदा' गीत में सैनिकों की कौन-सी भावना झलकती है?

उत्तर: इस गीत में कैफ़ी आज़मी ने सैनिकों की राष्ट्रभक्ति, त्याग और कर्तव्य के प्रति निष्ठा को दर्शाया है। वे अपने देश को सौंपते हुए गर्व से बलिदान देते हैं।

प्रश्न 6: कैफ़ी आज़मी का परिवार किस क्षेत्र से संबंधित था?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी एक साहित्यिक और कला-प्रेमी परिवार से थे। उनकी पत्नी शौकत आज़मी और बेटी शबाना आज़मी दोनों ही जानी-मानी अभिनेत्री रहीं।

प्रश्न 7: कैफ़ी आज़मी को किन प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित किया गया?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी को उनके साहित्यिक योगदान के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्मश्री, और अन्य प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाज़ा गया।

प्रश्न 8: कैफ़ी आज़मी की कविताओं की प्रमुख विशेषता क्या है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी की कविताओं में समाजिक न्याय, समानता और मानवीय संवेदनाओं की गहराई होती है। वे जनमानस की पीड़ा को स्वर देते हैं।

प्रश्न 9: 'कर चले हम फ़िदा' गीत में किस ऐतिहासिक प्रतीक का उल्लेख है?

उत्तर: इस गीत में कैफ़ी आज़मी ने हिमालय को राष्ट्रगौरव का प्रतीक माना है, जिसे सैनिकों ने अपने बलिदान से झुकने नहीं दिया।

प्रश्न 10: कैफ़ी आज़मी ने कविता के अलावा और किन क्षेत्रों में लेखन किया?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी ने कविता के अलावा फ़िल्मी गीत, संवाद, और कहानी लेखन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे बहुमुखी रचनाकार थे।

प्रश्न 11: 'कर चले हम फ़िदा' गीत में कैफ़ी आज़मी क्या संदेश देते हैं?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी इस गीत के माध्यम से देशवासियों को जागरूक करते हैं कि शहीदों के बलिदान को व्यर्थ न जाने दें और देश की रक्षा करें।

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

प्रश्न 12: कैफ़ी आज़मी की कविताओं में किस आंदोलन की छाप है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी की रचनाओं में प्रगतिशील लेखक संघ आंदोलन की स्पष्ट छाप है। वे बदलाव और क्रांति के समर्थक थे।

प्रश्न 13: कैफ़ी आज़मी का निधन कब हुआ?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का निधन 10 मई 2002 को हुआ। उनका साहित्यिक और सामाजिक योगदान आज भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

प्रश्न 14: 'कर चले हम फ़िदा' गीत का कौन-सा भाव सबसे प्रमुख है?

उत्तर: इस गीत में कैफ़ी आज़मी ने देशभक्ति और आत्मबलिदान के भाव को सबसे प्रमुखता से प्रस्तुत किया है, जो हर नागरिक के दिल को छूता है।

प्रश्न 15: कैफ़ी आज़मी के लेखन में कौन-सा सामाजिक सरोकार प्रमुख है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी ने अपने लेखन में गरीबी, अन्याय, महिलाओं की स्थिति और मानवाधिकार जैसे विषयों को गहराई से छुआ।

प्रश्न 16: कैफ़ी आज़मी के गीतों में भावनात्मक अपील कैसे झलकती है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी के गीतों में शब्दों की मार्मिकता, प्रतीकों का प्रयोग और सजीव चित्रण उनकी भावनात्मक अपील को प्रभावशाली बनाते हैं।

प्रश्न 17: फिल्म 'हकीकत' में कैफ़ी आज़मी की भूमिका क्या थी?

उत्तर: फिल्म 'हकीकत' में कैफ़ी आज़मी ने न सिर्फ़ गीत लिखे बल्कि उन्होंने देशभक्ति के संदेश को गहराई से रेखांकित किया, जिससे फिल्म अमर हो गई।

प्रश्न 18: कैफ़ी आज़मी के लेखन में राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति कैसे होती है?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का राष्ट्रवाद संघर्ष, बलिदान और समानता पर आधारित है। उनके शब्दों में देशप्रेम का जज़्बा और जनसेवा की प्रेरणा मिलती है।

प्रश्न 19: 'कर चले हम फ़िदा' का अंतिम संदेश क्या है?

उत्तर: गीत के अंतिम भाग में कैफ़ी आज़मी ने सैनिकों को राम और लक्ष्मण कहकर सम्मानित किया है और उन्हें देश की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपते हैं।

प्रश्न 20: कैफ़ी आज़मी आज के युवाओं के लिए क्यों प्रासंगिक हैं?

उत्तर: कैफ़ी आज़मी का लेखन आज के युवाओं को सामाजिक चेतना, देशभक्ति और न्याय की प्रेरणा देता है। उनकी कविताएँ आज भी उम्मीद की आवाज़ हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

1. 'कर चले हम फ़िदा' गीत के रचयिता कौन हैं?

- A. गुलज़ार
- B. कैफ़ी आज़मी
- C. निदा फ़ाज़ली
- D. मजरूह सुल्तानपुरी

उत्तर: B. कैफ़ी आज़मी

2. 'कर चले हम फ़िदा' गीत किस फ़िल्म से संबंधित है?

- A. बॉर्डर
- B. लक्ष्य
- C. हकीकत
- D. स्वदेश

उत्तर: C. हकीकत

3. सैनिक किसके लिए अपने प्राणों की आहुति देते हैं?

- A. अपने परिवार के लिए
- B. अपने धर्म के लिए
- C. देशवासियों की रक्षा के लिए
- D. धन के लिए

उत्तर: C. देशवासियों की रक्षा के लिए

4. गीत में "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो" पंक्ति का क्या अर्थ है?

- A. वतन को छोड़ देना
- B. देश की ज़िम्मेदारी साथियों को सौंपना
- C. युद्ध से भाग जाना
- D. शांति स्थापित करना

उत्तर: B. देश की ज़िम्मेदारी साथियों को सौंपना

5. कैफ़ी आज़मी का संबंध किस साहित्यिक आंदोलन से था?

- A. छायावाद
- B. प्रगतिशील आंदोलन
- C. रहस्यवाद
- D. नव्य साहित्य

उत्तर: B. प्रगतिशील आंदोलन

6. गीत में "कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं" का भाव क्या है?

- A. दुःख व्यक्त करना
- B. डर दिखाना

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

C. बलिदान पर गर्व

D. शिकायत करना

उत्तर: C. बलिदान पर गर्व

7. "सर हिमालय का हमने न झुकने दिया" से क्या अभिप्राय है?

A. हिमालय की ऊँचाई

B. देश की शान बनाए रखना

C. पर्वतारोहण

D. प्रकृति का चित्रण

उत्तर: B. देश की शान बनाए रखना

8. "जीने के मौसम बहुत हैं मगर..." का भाव क्या है?

A. जीवन की कठिनाई

B. बलिदान का अवसर विरला है

C. मृत्यु का भय

D. संघर्ष से भागना

उत्तर: B. बलिदान का अवसर विरला है

9. गीत के अनुसार सच्ची जवानी कैसी होती है?

A. खेल में व्यस्त

B. किताबों में डूबी

C. खून में नहाई

D. संगीतप्रिय

उत्तर: C. खून में नहाई

10. "आज धरती बनी है दुल्हन" में किस भावना का चित्रण है?

A. विवाह

B. युद्ध

C. विजय और गौरव

D. प्राकृतिक सौंदर्य

उत्तर: C. विजय और गौरव

11. "राह कुर्बानियों की न वीरान हो" में क्या संदेश है?

A. बलिदान व्यर्थ न जाए

B. सैनिक पीछे हट जाएँ

C. युद्ध समाप्त हो

D. लोग डर जाएँ

उत्तर: A. बलिदान व्यर्थ न जाए

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

12. "ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले" से क्या तात्पर्य है?

- A. मृत्यु का भय
- B. शांति स्थापना
- C. संघर्ष की चरम सीमा
- D. दोनों का मिलन

उत्तर: D. दोनों का मिलन

13. "बाँध लो अपने सर से कफ़न" का क्या आशय है?

- A. अंतिम यात्रा
- B. युद्ध के लिए तैयार रहना
- C. शादी के लिए सजना
- D. त्याग करना

उत्तर: B. युद्ध के लिए तैयार रहना

14. कैफ़ी आज़मी को कौन-सा प्रमुख पुरस्कार मिला था?

- A. पद्मश्री
- B. साहित्य अकादमी पुरस्कार
- C. ज्ञानपीठ
- D. नोबेल पुरस्कार

उत्तर: B. साहित्य अकादमी पुरस्कार

15. गीत में 'रावण' किसका प्रतीक है?

- A. राजा
- B. पराजय
- C. बुराई और अन्याय
- D. मित्रता

उत्तर: C. बुराई और अन्याय

16. 'छू न पाए सीता का दामन कोई' किसका प्रतीकात्मक अर्थ है?

- A. स्त्रियों की स्वतंत्रता
- B. मर्यादा की रक्षा
- C. विवाह
- D. परंपरा

उत्तर: B. मर्यादा की रक्षा

17. "राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो" पंक्ति का भावार्थ है—

- A. सबको एकता दिखानी चाहिए
- B. भगवान बनो

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

C. देशरक्षा के लिए स्वयं ही सब कुछ बनो

D. आराम करो

उत्तर: C. देशरक्षा के लिए स्वयं ही सब कुछ बनो

18. कैफ़ी आज़मी किस राज्य से थे?

A. महाराष्ट्र

B. पंजाब

C. उत्तर प्रदेश

D. दिल्ली

उत्तर: C. उत्तर प्रदेश

19. कैफ़ी आज़मी की बेटी कौन हैं?

A. रेखा

B. शबाना आज़मी

C. जया बच्चन

D. तबस्सुम

उत्तर: B. शबाना आज़मी

20. कैफ़ी आज़मी की रचनाएँ किस भाषा में प्रमुखता से थीं?

A. हिंदी

B. अंग्रेज़ी

C. उर्दू

D. संस्कृत

उत्तर: C. उर्दू

कैफ़ी आज़मी (कर चले हम फ़िदा) पर आधारित True or False (सही या गलत)

- 'कर चले हम फ़िदा' गीत को कैफ़ी आज़मी ने लिखा था।

उत्तर: सही

- यह गीत फ़िल्म 'शोले' में प्रयुक्त हुआ था।

उत्तर: गलत (यह फ़िल्म *हकीकत* में था)

- गीत में सैनिकों की वीरता और बलिदान का चित्रण है।

उत्तर: सही

- "अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो" का तात्पर्य युद्ध छोड़ने से है।

उत्तर: गलत (इसका अर्थ है—देश की ज़िम्मेदारी सौंपना)

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आजमी (कर चले हम)

- कैफ़ी आजमी उर्दू भाषा के प्रसिद्ध शायर थे।
उत्तर: सही
- 'कर चले हम फ़िदा' गीत देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है।
उत्तर: सही
- गीत में सैनिकों की शहादत को व्यर्थ बताया गया है।
उत्तर: गलत
- गीत में राम और लक्ष्मण जैसे पौराणिक पात्रों का उल्लेख किया गया है।
उत्तर: सही
- कैफ़ी आजमी ने केवल फिल्मी गीतों की रचना की थी।
उत्तर: गलत (उन्होंने साहित्यिक रचनाएँ भी की थीं)
- गीत में “धरती बनी है दुल्हन” पंक्ति विजय और सम्मान की भावना दर्शाती है।
उत्तर: सही
- कैफ़ी आजमी का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था।
उत्तर: गलत (उत्तर प्रदेश में हुआ था)
- गीत में 'कफ़न' बांधने की बात युद्ध के लिए तैयार रहने का प्रतीक है।
उत्तर: सही
- “राह कुर्बानियों की न वीरान हो” का अर्थ है बलिदान का महत्व बना रहना चाहिए।
उत्तर: सही
- गीत केवल मनोरंजन के उद्देश्य से लिखा गया था।
उत्तर: गलत (यह प्रेरणादायक देशभक्ति गीत है)
- गीत में 'रावण' शब्द का प्रयोग अन्याय और शत्रु के प्रतीक के रूप में हुआ है।
उत्तर: सही
- “कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं” पंक्ति देशप्रेम में आत्मबलिदान को दर्शाती है।
उत्तर: सही
- यह गीत युद्ध के विरोध में लिखा गया था।
उत्तर: गलत
- कैफ़ी आजमी को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था।
उत्तर: सही

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

- शबाना आज़मी कैफ़ी आज़मी की पत्नी हैं।
उत्तर: गलत (वह उनकी बेटी हैं)
- 'कर चले हम फ़िदा' आज भी प्रेरणास्पद देशभक्ति गीतों में से एक माना जाता है।
उत्तर: सही

कैफ़ी आज़मी (कर चले हम फ़िदा) पर आधारित रिक्त स्थान भरिए -

1. कर चले हम फ़िदा _____ साथियों।
उत्तर: जानो-तन
2. अब तुम्हारे हवाले _____ साथियों।
उत्तर: वतन
3. साँस थमती गई, _____ जमती गई।
उत्तर: नब्ज़
4. फिर भी बढ़ते _____ को न रुकने दिया।
उत्तर: कदम
5. कट गए सर हमारे तो कुछ _____ नहीं।
उत्तर: गम
6. सर _____ का हमने न झुकने दिया।
उत्तर: हिमालय
7. मरते-मरते रहा _____ साथियों।
उत्तर: बाँकपन
8. जीने के मौसम बहुत हैं मगर, _____ देने की रत रोज़ आती नहीं।
उत्तर: जान
9. हुस्न और इश्क दोनों को _____ करे।
उत्तर: रुस्वा
10. वो जवानी जो _____ में नहाती नहीं।
उत्तर: खून
11. आज धरती बनी है _____ साथियों।
उत्तर: दुल्हन

Ncert Solutions of पाठ 6: कैफ़ी आज़मी (कर चले हम)

12. राह कुर्बानियों की न _____ हो।

उत्तर: वीरान

13. तुम सजाते ही रहना नए _____।

उत्तर: काफ़िले

14. ज़िंदगी मौत से मिल रही है _____।

उत्तर: गले

15. बाँध लो अपने सर से _____ साथियों।

उत्तर: कफ़न

16. खींच दो अपने _____ से ज़मीं पर लकीर।

उत्तर: खून

17. इस तरफ़ आने पाए न _____ कोई।

उत्तर: रावण

18. तोड़ दो _____ अगर हाथ उठने लगे।

उत्तर: हाथ

19. छू न पाए _____ का दामन कोई।

उत्तर: सीता

20. राम भी तुम, तुम्हीं _____ साथियों।

उत्तर: लक्ष्मण